Daily Current Affairs

Date : 27 February, 2026

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट
2.	मोबाइल वेटरनरी यूनिट योजना
3.	राजस्थान स्टार्टअप समिट, 2026
4.	राजस्थान विज्ञान महोत्सव, 2026
5.	वायु शक्ति, 2026
6.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. शुष्क बागवानी पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 2026 2. वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान 2.0 3. बर्ड फेस्टिवल, 2026 4. JPL शूटिंगबॉल प्रीमियर लीग 5. राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता
7.	सड़क सुरक्षा वित्त-पोषण परियोजना
8.	कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC)
9.	सुजविका (SUJVIKA)
10.	रिवर रैंचिंग के माध्यम से गंगा नदी में स्वदेशी मछली भंडार का पुनर्स्थापन
11.	विखंडनीय सामग्री कट-ऑफ संधि (FMCT)
12.	पलामू टाइगर रिजर्व, झारखंड
13.	SITAC फ्रेमवर्क के माध्यम से भारत-स्वीडन की AI साझेदारी

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट

चर्चा में क्यों?

- 24 फरवरी, 2026 को उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने विधानसभा में राज्य सरकार द्वारा महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकास योजना की क्रियान्विति के लिए 275.68 करोड़ रूपये की Detailed Project Report (DPR) तैयार करवाने की जानकारी साझा की।
- साथ ही इस संबंध में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण की अध्यक्षता में गठित समीक्षा समिति द्वारा 3 फरवरी, 2026 को इस DPR अनुसार कार्य करवाये जाने का अनुमोदन किया जा चुका है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट	
स्थल	■ इस सर्किट में महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े विभिन्न स्थलों; जैसे - चावंड, हल्दीघाटी, गोगुंदा, कुंभलगढ़, दिवेर, उदयपुर आदि को सम्मिलित किया गया है।
विकास/निर्माण	1. **चेतक का स्मारक:** हल्दीघाटी। 2. **हल्दीघाटी युद्ध:** हल्दीघाटी के युद्ध का जीवंत चित्रण पर्यटकों को दिखाने के लिए थ्रीडी तकनीक, लाइट एण्ड साउण्ड शो जैसी आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया जाएगा। 3. **चावंड का विकास:** महाराणा प्रताप के समाधि स्थल चावंड का विकास किया जाएगा। 4. **विजय स्तंभ:** दिवेर विजय के प्रतीक के रूप में विजय स्तंभ का निर्माण किया जाएगा। 5. **स्मृति चिह्न तथा स्मारक:** दिवेर, गोगुंदा तथा चित्तौड़गढ़ में प्रताप के जीवन से जुड़े स्थानों पर विभिन्न स्मृति चिह्न तथा स्मारक आदि विकसित किए जाएंगे।
राज्य बजट वर्ष 2024-25 में आवंटित राशि	■ 100 करोड़ रुपये।
परियोजना का क्रियान्वयन	■ परियोजना के क्रियान्वयन के लिए राजस्थान राज्य सड़क विकास निगम एवं राजस्थान धरोहर प्राधिकरण को कार्यकारी एजेन्सी नियुक्त किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मोबाइल वेटरनरी यूनिट योजना

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान पशुपालन विभाग के अनुसार मोबाइल वेटरनरी यूनिट योजना के तहत् 15 फरवरी, 2026 तक मोबाइल वेटरनरी यूनिट द्वारा ऑन-कॉल सेवाओं एवं शिविरों के माध्यम से प्रदेश के 61 लाख से अधिक पशुओं का नि:शुल्क इलाज किया जा चुका हैं।
- राज्य सरकार द्वारा गौशालाओं एवं नन्दीशालाओं की अनुदान राशि में 25 प्रतिशत वृद्धि की गई है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- राज्य सरकार द्वारा मोबाइल वेटरनरी यूनिट योजना के माध्यम से पशुपालकों को घर बैठे पशुओं के लिए निःशुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है।
- 9 अक्टूबर, 2024 को विभाग द्वारा कॉल सेंटर प्रारंभ किया गया तथा 31 दिसम्बर, 2024 से यूनिट द्वारा पशुओं का ऑन-कॉल निःशुल्क उपचार नियमित रूप से प्रदान किया जा रहा है।

मोबाइल वेटरनरी यूनिट योजना:

- **शुरुआत:** 24 फरवरी, 2024
- **संचालन:** यह योजना केंद्र प्रवर्तित योजना के तहत् संचालित की जा रही है। योजना के तहत् प्रदेश में 536 मोबाइल वेटरनरी यूनिट्स संचालित हैं तथा वाहनों का संचालन कॉल सेंटर के टोल फ्री नंबर 1962 के माध्यम से किया जाता है।
- **वित्तीयन:** इन मोबाइल वाहनों की शत-प्रतिशत राशि केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई है, जबकि इनके संचालन के लिए बजट व्यवस्था 60 प्रतिशत केंद्र सरकार एवं 40 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा वहन की जा रही है।

- **अनुदान राशि में 25 प्रतिशत वृद्धि:** 26 फरवरी, 2026 को गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने विधानसभा में गौशालाओं एवं नन्दीशालाओं के अनुदान में 25 प्रतिशत वृद्धि की जानकारी साझा की।
- राजस्थान गौ-संरक्षण एवं संवर्धन निधि नियम, 2016 (संशोधित वर्ष 2021) के अंतर्गत वित्त वर्ष 2016-17 से पात्र गौशालाओं में गौवंश को चारा-पानी एवं पशु आहार के लिए 270 दिवस सहायता राशि दो चरणों में दी जाती है। वर्तमान में बड़े गौवंश के लिए 50 रुपये तथा छोटे गौवंश के लिए 25 रुपये प्रतिदिन सहायता दी जा रही है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- गौशालाओं को 9 व नन्दीशालाओं को 12 माह का अनुदान दिया जा रहा है। दिव्यांग एवं दृष्टिबाधित गौवंश के लिए 12 माह सहायता राशि दी जा रही है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

26 फरवरी, 2026 को विधानसभा में साझा की गई जानकारी:

- **मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना:** राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत् वर्ष 2024-25 व 2025-26 में 42 लाख पशुओं का बीमा करने का लक्ष्य रखा था जिनमें से 16 लाख 24 हजार 567 पशुओं की पॉलिसी जारी कर दी गई हैं।
- इस योजना के तहत् वित्तीय वर्ष 2025-26 में पशुओं की संख्या दोगुना कर 42 लाख एवं ऊँटपालकों के 1 ऊँट से संख्या बढ़ाकर 10 ऊँट तक किया जा चुका है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान स्टार्टअप समिट, 2026

चर्चा में क्यों?

- 27 फरवरी, 2026 को मुख्यमंत्री ने होटल ताज, आमेर में आयोजित 'राजस्थान स्टार्टअप समिट, 2026' के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया।

मुख्य बिन्दु:

- **परिचय:** यह स्टार्टअप्स, निवेशकों, मेंटर्स और उद्योग जगत के नेताओं के मध्य सीधे संवाद के लिए एक साझा मंच तैयार करता है।
- राजस्थान स्टार्टअप समिट, 2026 सीसाइड स्टार्टअप समिट इकोसिस्टम का एक विशेष वीकेंड संस्करण है, जिसे स्टार्टअप्स, निवेशकों, कॉरपोरेट्स और इकोसिस्टम लीडर्स के लिए एक केंद्रित और प्रभावशाली प्रारूप के रूप में डिज़ाइन किया गया है।
- **आयोजन:** 27 फरवरी, 2026 से 1 मार्च, 2026 तक होटल ताज, आमेर।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **आयोजक:** ओपन इनोवेशन लोटस फाउंडेशन और स्टार्टअप आर्मेनिया साइंटिफिक एजुकेशनल फाउंडेशन, आर्मेनिया सरकार।
- **सहयोग:** सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग, राजस्थान सरकार।
- **उद्देश्य:** इस समिट का उद्देश्य भारतीय स्टार्टअप और दक्षिण एशिया, पूर्वी यूरोप, मिडिल ईस्ट आदि क्षेत्रों के निवेशकों के मध्य साझेदारी बढ़ाना है। साथ ही राजस्थान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख स्टार्टअप एवं नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करने का अवसर प्रदान करना हैं।
- **प्रशिक्षण कार्यक्रम:** इस समिट में 130 से अधिक चयनित स्टार्टअप को कार्यशालाओं, पैनल चर्चा और व्यक्तिगत मार्गदर्शन सत्रों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- उल्लेखनीय है कि इन स्टार्टअप में 50 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप राजस्थान से हैं और लगभग 20 प्रतिशत स्टार्टअप विदेशी हैं।
- कार्यक्रम में 'लीडरशिप एंड इम्पैक्ट: पॉलिसी एंड इनोवेशन के माध्यम से भविष्य को आकार देना' विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की गई। साथ ही इनोवेशन पैवेलियन का उद्घाटन किया गया, जिसमें विभिन्न स्टार्टअप के नवाचारों को दिखाया गया
- उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व जनवरी, 2026 में राजस्थान डिजीफेस्ट और TiE ग्लोबल समिट का आयोजन भी जयपुर में हो चुका है, जो राज्य में डिजिटल नवाचार की गति को दर्शाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान विज्ञान महोत्सव, 2026

चर्चा में क्यों?

- 26 फरवरी, 2026 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी (MNIT), जयपुर में तीन दिवसीय राजस्थान विज्ञान महोत्सव, 2026 का शुभारंभ किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **महोत्सव की थीम:** "विज्ञान में महिलाएँ – विकसित भारत की उत्प्रेरक" (Women in Science: Catalyzing Viksit Bharat)।
- **कार्यक्रम का आयोजन:** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान सरकार, विज्ञान भारती राजस्थान तथा MNIT द्वारा संयुक्त रूप से।
- **उद्घाटन:** राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा।
- **आयोजन अवधि:** 26 से 28 फरवरी, 2026।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

वायु शक्ति, 2026

चर्चा में क्यों?

- भारतीय वायु सेना (IAF) ने 27 फरवरी, 2026 को जैसलमेर के पोखरण में एयर टू ग्राउंड रेंज वायुशक्ति-26 अभ्यास के माध्यम से अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।
- 27 फरवरी, 2026 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वदेशी लाइट कॉम्बेट हेलिकॉप्टर 'प्रचंड' में हवाई निरीक्षण किया।

मुख्य बिन्दु:

- ऑपरेशन सिंदूर के बाद से यह सबसे बड़ा द्विवार्षिक आयोजन हैं।
- **प्रकार:** यह भारतीय वायु सेना का एक द्विवार्षिक अभ्यास हैं।
- **थीम:** 'ऑपरेशन सिंदूर' की तर्ज पर आधारित।
- **आदर्श वाक्य:** "अचूक, अभेद्य और सटीक"

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **उद्देश्य:** भारतीय वायुसेना (IAF) की स्वदेशी क्षमता, नेटवर्क-सेनट्रिक (Network-Centric) युद्ध नीति और मारक क्षमता का प्रदर्शन करना।
- **प्रमुख विमान:** तेजस, राफेल, जगुआर, मिराज-2000, सुखोई-30एमकेआई, मिग-29, हॉक, सी-130जे, सी-295, सी-17, चेतक, एएलएच एमके-IV, MI-17 IV, एलसीएच, अपाचे, चिनूक और रिमोटली पायलेटेड एयरक्राफ्ट (आरपीए) सहित लड़ाकू, परिवहन और हेलीकॉप्टर विमानों द्वारा पूर्ण स्पेक्ट्रम संचालन किया गया।
- शॉर्ट रेंज लॉइटरिंग मुनिशन्स (SRLM) से लेकर आकाश, स्पाइडर और काउंटर अनमेन्ड एरियल सिस्टम (CUAS) जैसे वायु रक्षा प्रणालियों तक उन्नत हथियारों का इस्तेमाल किया गया।

हल्का लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड:

- **परिचय:** प्रचंड भारत का पहला स्वदेशी बहु-भूमिका लड़ाकू हेलीकॉप्टर है।
- **विकास:** हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) द्वारा।
- रेगिस्तानी और पहाड़ी क्षेत्रों में तैनात भारतीय सशस्त्र बलों के लिए इसे डिज़ाइन किया गया है।
- **रेंज:** 700 किमी।
- **लैंडिंग और टेक-ऑफ की ऊंचाई:** 5,000 मीटर (16,400 फीट)
- दुनिया का एकमात्र हमलावर हेलीकॉप्टर है जो भारी मात्रा में हथियारों और ईंधन के भार के साथ 5,000 मीटर की ऊंचाई पर उतर और उड़ान भर सकता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**शुष्क बागवानी पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 2026**

- **आयोजन:** 26 से 28 फरवरी, 2026 तक केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर में "शुष्क बागवानी पर राष्ट्रीय सम्मेलन – जैव विविधता और जलवायु अनुकूलनशीलता द्वारा टिकाऊ भविष्य का निर्माण" विषय पर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।
- **आयोजक:** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्।
- **सम्मेलन का उद्देश्य:** शुष्क एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में बागवानी फसलों के सतत् विकास, जैव विविधता संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने की प्रभावी रणनीतियों पर विमर्श करना।
- 27 सितंबर, 2000 को राष्ट्रीय शुष्क बागवानी अनुसंधान केंद्र (NRCAH) को केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर (CIAH) के रूप में पूर्ण विकसित संस्थान का दर्जा दिया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

2.

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान 2.0

- राज्य सरकार द्वारा वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के द्वितीय चरण की शुरूआत गंगा दशहरा (25 मई, 2026) पर की जाएगी जो 5 जून, 2026 को पर्यावरण दिवस तक संचालित होगा।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान 1.0

- राजस्थान सरकार द्वारा 5 से 20 जून, 2025 तक प्रदेशभर में 'वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान' का संचालन किया गया।
- अभियान के प्रथम चरण (1.0) में प्रदेश तृतीय स्थान पर रहा तथा बाड़मेर एवं भीलवाड़ा जिलों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3.

बर्ड फेस्टिवल, 2026

- **आयोजन:** 27 फरवरी, 2026 को सांभर झील के कोच्या की ढाणी स्थित इंटरप्रिटेशन सेंटर परिसर में।
- **आयोजक:** वन विभाग, राजस्थान।
- **महोत्सव का उद्देश्य:** इस झील की समृद्ध जैव विविधता, वेटलैंड पारिस्थितिकी तंत्र तथा प्रतिवर्ष आने वाले प्रवासी पक्षियों के महत्व के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

	■ **वेटलैंड मित्र पंजीकरण अभियान:** वन विभाग द्वारा 'वेटलैंड मित्र पंजीकरण अभियान' भी संचालित किया जाएगा, जिसके माध्यम से आमजन को झील संरक्षण गतिविधियों से स्थायी रूप से जोड़ा जाएगा। ■ एवियन बोटुलिज़्म जैसी पक्षी बीमारियों से बचाव एवं उपचार संबंधी जागरूकता के लिए विशेष स्टॉल भी स्थापित किया जाएगा।
4.	**JPL शूटिंगबॉल प्रीमियर लीग** ■ जयसिंहपुर, महाराष्ट्र में तीन दिवसीय महिला-पुरुष JPL शूटिंगबॉल प्रीमियर लीग का समापन हुआ। ■ दोनों वर्गों में महाराष्ट्र की टीम विजेता रही। ■ गर्ल्स टीम में राजस्थान की सिरीन को बेस्ट शूटर का अवार्ड मिला। ■ पुरुष टीमों में मेन ऑफ़ द सीरीज हरियाणा के सुरेश बिश्नोई, मैन ऑफ द मैच महाराष्ट्र के वकार अंजुम और बेस्ट शूटर महाराष्ट्र के नाना चौगुले रहे।
5.	**राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता** ■ 22 से 25 फरवरी, 2026 तक फरीदाबाद में स्पेशल ओलिंपिक भारत की राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में ट्रेजरलैंड स्पोर्ट्स एकेडमी के प्रणव शर्मा ने जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। ■ अनश खान जूनियर वर्ग में चौथे और ईशा पारिख सीनियर वर्ग में चौथे स्थान पर रहीं।`

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

सड़क सुरक्षा वित्त-पोषण परियोजना

चर्चा में क्यों?

- संयुक्त राष्ट्र (UN) ने भारत के चार राज्यों में सड़क सुरक्षा वित्त-पोषण परियोजना की शुरुआत की।

मुख्य बिन्दु:

- **परियोजना:** भारत में सड़क सुरक्षा के लिए सतत वित्त-पोषण: एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण।
- **वित्त-पोषण:** संयुक्त राष्ट्र सड़क सुरक्षा कोष (UNRSF)
- **तकनीकी सहायता प्रदाता:** विश्व स्वास्थ्य संगठन, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष, तथा एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग।
- **राज्य:** राजस्थान, केरल, तमिलनाडु और असम।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **मुख्य फोकस:** सड़क सुरक्षा कार्य योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय एवं उप-राष्ट्रीय क्षमताओं का निर्माण करना।
- **लक्ष्य:** सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों और गंभीर चोटों को कम करना।

संयुक्त राष्ट्र सड़क सुरक्षा कोष (UNRSF)

- निम्न और मध्यम आय वाले देशों में सड़क सुरक्षा के लिए वित्त जुटाने हेतु 2018 में स्थापित।
- सरकारों, नागरिक समाज और निजी क्षेत्रक के भागीदारों के साथ मिलकर कार्य करता है।

मार्राकेश घोषणा

- इसे सड़क सुरक्षा पर चौथे वैश्विक मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (2025) में अपनाया गया था। यह राजनीतिक प्रतिबद्धता, सतत वित्त-पोषण और सुरक्षित-प्रणाली दृष्टिकोण का आह्वान करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC)

चर्चा में क्यों?

- कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने अपनी स्थापना के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में कई समारोह शुरू किए।

मुख्य बिन्दु:

ESIC के बारे में

- यह सामाजिक सुरक्षा सेवाएं प्रदान करने वाली एक सांविधिक संस्था है।
- इसकी स्थापना 1952 में कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अंतर्गत की गई थी।
- **मंत्रालय:** केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय।
- **उद्देश्य:** संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को व्यापक सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य बीमा संरक्षण प्रदान करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

योजनाएँ एवं नीतियाँ

सुजविका (SUJVIKA)

चर्चा में क्यों?

- भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने 40वें स्थापना दिवस के अवसर पर 'सुजविका' पोर्टल शुरू किया।

मुख्य बिन्दु:

सुजविका (SUJVIKA)

- यह AI-संचालित बायोटेक उत्पादों पर डेटा पोर्टल है।
- यह व्यापार सांख्यिकी पर डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगा। यह प्रमाणित जैव-प्रौद्योगिकी उत्पादों के आयात पर डेटा को व्यवस्थित और सुलभ रूप में उपलब्ध कराएगा।
- यह पोर्टल जैव-रसायन उत्पादों, औद्योगिक एंजाइम तथा जैव-प्रौद्योगिकी से संबंधित अन्य उत्पादों के आयातों पर क्षेत्रक-वार जानकारी प्रदान करेगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

रिवर रैंचिंग के माध्यम से गंगा नदी में स्वदेशी मछली भंडार का पुनर्स्थापन

चर्चा में क्यों?

- नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय अंतर्देशीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (ICAR-CIFRI) ने वैज्ञानिक रिवर रैंचिंग का एक कार्यक्रम आरंभ किया है।

मुख्य बिन्दु:

- **उद्देश्य:** गंगा नदी में जलीय जीवन में वृद्धि करना और इसके पारिस्थितिकीय संतुलन को पुनर्स्थापित करना है।

रिवर रैंचिंग

- रिवर रैंचिंग एक सतत जलीय कृषि पद्धति है। इसमें मछलियों का उनके जीवन के शुरुआती चरणों में संरक्षण किया जाता है और फिर उन्हें प्राकृतिक पर्यावास में बढ़ने के लिए नदियों में छोड़ दिया जाता है, जहाँ वयस्क होने पर उनका मत्स्यन किया जाता है।
- यह जलीय जीवन संरक्षण के बाह्य-स्थाने (Ex-situ) तरीकों में से एक है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **महत्त्व:** रैंचिंग नदीय मात्स्यिकी को पुनर्जीवित करने और खतरे में पड़ी देशी प्रजातियों के संरक्षण के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण विकल्पों में से एक है।

नमामि गंगे कार्यक्रम (NGM)

- **पृष्ठभूमि:** इसे 2014 में मार्च 2021 तक की अवधि के लिए अनुमोदित किया गया था और बाद में इसे NGM 2.0 के रूप में 31 मार्च 2026 तक बढ़ा दिया गया है।
- **उद्देश्य:** गंगा नदी के प्रदूषण का प्रभावी उन्मूलन और नदी का कायाकल्प करना।
- **कार्यान्वयन एजेंसी:** राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG) और जल शक्ति मंत्रालय के तहत इसके राज्य एवं जिला समकक्ष।

भारत में अंतर्देशीय मत्स्य क्षेत्रक

- भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मत्स्य उत्पादक देश है। इसकी वैश्विक मत्स्य उत्पादन में लगभग 8% हिस्सेदारी है।
- कुल मत्स्य उत्पादन में अंतर्देशीय मत्स्य पालन का योगदान 75% से अधिक है।

प्रमुख पहलें:

- **मत्स्य पालन और जलीय कृषि अवसंरचना विकास कोष (FIDF):** अवसंरचना के निर्माण के लिए धन प्रदान करता है।
- **प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY):** मत्स्य उत्पादन और उत्पादकता, प्रौद्योगिकी, हार्वेस्टिंग के बाद की अवसंरचना आदि में महत्त्वपूर्ण कमियों को दूर करती है।
- **अन्य:** राष्ट्रीय समुद्री मत्स्य नीति 2017, नीली क्रांति योजना आदि।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

विखंडनीय सामग्री कट-ऑफ संधि (FMCT)

चर्चा में क्यों?

- भारत ने जिनेवा में निरस्त्रीकरण सम्मेलन के उच्च-स्तरीय सत्र 2026 के अधिदेश (मैंडेट) के आधार पर विखंडनीय सामग्री कट-ऑफ संधि पर वार्ता के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है।

मुख्य बिन्दु:

विखंडनीय सामग्री कट-ऑफ संधि (FMCT):

- FMCT एक प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय समझौता है।
- इसका उद्देश्य परमाणु हथियारों के दो मुख्य घटकों—उच्च संवर्धित यूरेनियम और प्लूटोनियम के उत्पादन पर प्रतिबंध लगाना है।

निरस्त्रीकरण सम्मेलन:

- इसे वर्ष 1978 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 10वें विशेष निरस्त्रीकरण सत्र द्वारा एकमात्र बहुपक्षीय निरस्त्रीकरण वार्ता मंच के रूप में मान्यता दी गई थी।
- इस सम्मेलन में कुल 65 सदस्य देश शामिल हैं। इनमें भारत एक सदस्य देश है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

पलामू टाइगर रिजर्व, झारखंड

चर्चा में क्यों?

- पलामू टाइगर रिजर्व ने वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए महिलाओं के लिए 'वनजीवी दीदी' पहल शुरू की है।

मुख्य बिन्दु:

- इस कार्यक्रम के तहत शिक्षित महिलाओं की पहचान की जाती है और उन्हें वन प्रशासन और स्थानीय परिवारों के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पलामू टाइगर रिजर्व

- **अवस्थिति:** झारखंड, छोटानागपुर पठार में स्थित।
- **बेतला नेशनल पार्क:** यह पलामू टाइगर रिजर्व के मुख्य (कोर) क्षेत्र का हिस्सा है।
- **प्राप्त वनस्पतियाँ:** यहाँ मुख्य रूप से उत्तरी उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती साल के वन और बाँस के झुरमुट पाए जाते हैं।
- **जीव-जंतु:** बाघ, एशियाई हाथी, तेंदुआ और ग्रे भेड़िया आदि।
- **नदियाँ:** कोयल, बुरहा और औरंगा नदी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

SITAC फ्रेमवर्क के माध्यम से भारत-स्वीडन की AI साझेदारी

चर्चा में क्यों?

- इंडिया AI इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान, इंडिया AI मिशन और बिजनेस स्वीडन ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए।

मुख्य बिन्दु:

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु

- यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता समाधानों के विकास, अनुप्रयोग और तैनाती पर सहयोग के लिए एक संरचित ढाँचा प्रदान करता है।
- दोनों देश मिलकर स्वीडन-भारत प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता गलियारा (SITAC) नामक एक विशेष कार्यक्रम विकसित करेंगे ।
- SITAC दोनों देशों की सरकारी एजेंसियों, उद्योग जगत के हितधारकों, स्टार्टअप्स और शैक्षणिक संस्थानों के बीच जुड़ाव के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR